of Tourism and the Ministry of Culture for upgrading tourist facilities. But the international agencies have come in a big way and they decided the priorities of putting up roads and *dharmshalas* in Bodhgaya and Kushinagar. But Orissa is very much on the tourism map of Buddhist travellers. The campaign. "Walk with the Buddha" includes Orissa also. And, in this year, when we are observing 2550 years of the Buddha's *Mahaparinirvana*, I would like to inform the hon. Members that there are several institutions which have asked for small amounts of grants and help for this special year and we are considering those very favourably.

किसानों का रियायती ब्याज दरों पर ऋण

*84. श्री मोती लाल वोरा:†
श्रीमती प्रेमा करियप्पा:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा किसानों को रियायती ब्याज दरों पर ऋण देने की घोषणा कब की गई थी;

(ख) किन-किन राज्यों के किसानों को अब तक रियायती ब्याज दरों पर ऋण प्रदान किया गया है और इसमें सहकारी बैंकों द्वारा प्रदान किए गए ऋण का प्रतिशत कितना है;

(ग) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या व्यवस्था की गई है कि किसानों को महाजनों से ऋण न लेना पड़े;

(घ) सरकार द्वारा शेष राज्यों के किसानों को भी तत्काल ऋण प्रदान करने के लिए क्या व्यवस्था की गई है; और

(ङ) सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को ऋण प्रदान करने में क्या अड़चने आती हैं और उन्हें कब तक दूर किया जाएगा?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): (क) से (ङ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है

विवरण

(क) और (घ) वर्ष 2006-07 के बजट में खरीफ और रबी 2006-07 के लिए 3 लाख रुपए की मूल राशि तक 7% वार्षिक ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि ऋण प्रदान करने की घोषणा की गई थी। सरकार ने नाबार्ड के माध्यम से सहकारी बैंकों एवं आरआरबी को क्रमश: 2.5% और 4.5% की ब्याज दर पर रियायती पुनर्वित्त प्रदान किया है सरकारी क्षेत्र के बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों तथा सहकारी बैंकों को उनके अपने स्रोतों में से उधार पर 2% वार्षिक ब्याज सहायता दी जाएगी।

†सभा में यह प्रश्न श्री मोती लाला वोरा द्वारा पूछा गया।

(ख) और (ङ) भारतीय रिजर्व बैंक और नाबार्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, देशभर में सरकारी क्षेत्र के सभी बैंक एवं आरआरबी 7% वार्षिक की ब्याज दर पर अल्पावधि ऋण दे रहे हैं। तथापि, कुछ सहकारी बैंकों ने उच्चतर ब्याज दर पर अल्पावधि ऋण दिया है जैसाकि कुछ राज्य सरकारों ने सहकारी बैंकों द्वारा अपने स्रोतों से दिए गए एसटीसी उधार की राशि पर उन्हें ब्याज सहायता देने से संबंधित मुद्दे को उठाया था। ये सहकारी बैंक अपने स्रोतों से दिए गए उधार पर उन्हें 2% वार्षिक की ब्याज सहायता देने के सरकार के हाल के निर्णय के पश्चात अपनी उधार दरों को 7% वार्षिक तक कम करेंगे।

(ग) वर्ष 2006-07 के लिए बैंको के लिए 50 लाख नए किसानों को संस्थागत ऋण के तहत लाने के लिए एक विशेष लक्ष्य निर्धारित किया गया हैं संयुक्त देयता समूहों के तंत्र के माध्यम से काश्तकारों/बंटाईदारों को ऋण देने के लिए भी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। बैंक स्व-सहायता समूह से जुड़े कार्यक्रम के जरिए ऋण दे रहे हैं। बैंक सभी पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड देने का भी प्रयास कर रहे हैं।

Loans to farmers at concessional interest rates

†*84. SHRI MOTI LAL VORA:#
SHRIMATI PREMA CARIAPPA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) when Government made an announcement to provide loans to farmers at concessional interest rate;

(b) the States where concessional loans have been provided to the farmers so far and the percentage of Co-operative Banks therein;

(c) the arrangements made by Government to ensure that the farmers do not take loan from moneylenders;

(d) the arrangements made by Government to provide loans immediately to the farmers in the rest of the States also; and

(e) the hurdles in providing loans to farmers through Co-operative Banks and by when, these would be removed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

---

†Original notice of the question was received in Hindi.
#The question was actually asked on the floor of the House by Shri Moti Lal Vora.

Statement

(a) and (d) An announcement was made in the Budget for 2006-07 to provide Short-Term Credit to the farmers at 7% p.a. rate of interest, upto a principal amount of Rs. 3 lacs for Kharif and Rabi 2006-07. Government has provided concessional refinance through NABARD to Cooperative Banks and RRBs at an interest rate of 2.5% and 4.5% p.a. respectively. An interest subvention of 2% p.a. will be provided to Public Sector Banks, RRBs and Cooperative Banks on their lending out of their own resources.

(b) and (e) As per guidelines issued by RBI and NABARD, all Public Sector Banks and RRBs in the country are lending STC loan at a rate of interest of 7% p.a. However, a few Cooperative Banks have provided STC loans at a higher rate of interest as some State Governments has raised the issue of providing interest subvention to the Cooperative Banks on the amount of STC lent from their own resources. These Cooperative Banks will now revise their lending rates downwards to 7% p.a. after the recent decision of the Government to provide an interest subvention of 2% p.a. on the amount lent by them from their own resources.

(c) For the year 2006-07, Banks have been given a specific target to bring 50 lakhs new farmers under the fold of institutional credit. Targets have also been set for providing credit to tenant farmers/share croppers through the mechanism of Joint Liability Groups. Banks are extending credit through their Bank-Self-Help Group linkage programme. Banks are also endeavouring to give Kisan Credit Cards to all eligible farmers.

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सन् 2006 और 2007 के लिए आपने यह घोषणा की थी कि किसानों को 7% की दर से बैंक और सहकारी बैंक ऋण उपलब्ध कराएंगे। मैं मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि अभी तक, रबी की फसल के बोने तक, किसानों को बैंको से 7% की दर से ऋण नहीं मिला है। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि रबी की फसल के बोने तक क्या बैंकों ने किसानों को ऋण दिया? क्या उन्हें सहकारी बैंकों ने ऋण दिया? क्या सहकारी बैंकों ने 7% से अधिक ब्याज की दर उनसे ली?

श्री पवन कुमार बंसल: सभापति जी, बजट स्पीच में ऐलान के बाद सरकार का जो फैसला था कि सभी बैंक्स के जरिए 7 फीसदी की दर से लोन मुहैया कराया जाएगा, उसके तहत कोऑपरेटिव बैंक्स को भी उसमें लगाकर इस बात को ऑपरेशनेलाइज किया जा रहा है कि सभी लोगों को, जिन्होंने दो फसलों के लिए तीन लाख रुपए तक का लोन लिया है, उन्हें 7% पर ही दिया जाए। इसमें सरकार की सब्सिडी 1955 करोड़ रुपए होगी। अगर किसी को किसी मौके पर नहीं मिलता है,

यह दोनों फसलों का है, जिसने जो भी लोन लिया होगा, उसको अगर टोटल देना पड़ेगा तो उसे 7 फीसदी पर ही देना पड़ेगा, उससे ज्यादा पर नहीं। उन केसिज़ में, कोऑपरेटिव बैंक्स के, जहां ज्यादा हो रहा था, उन्हें सात फीसदी पर रखने के लिए नाबार्ड के जरिए सरकार ने 2.5 पर रीफाइनेंस करना तय किया हैं इसे बढ़ाकर 14,000 करोड़ रुपए का किया हैं इस पर रीफाइनेंस किया जाएगा। एक मांग थी, जिसे प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री जी ने माना है कि कोऑपरेटिव बैंक्स के जरिए, जिनकी रीच ज्यादा होती है, उन्हें भी इसमें शामिल कर लिया हैं उन्हें भी इसके अलावा जो रीफाइनेंस था, उनके लिए भी जो लोन देंगे, सरकार अपनी तरफ से उन्हें 2% सब्सिडी देगी। इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि सभी को 7 फीसदी पर लोन मिले, हमारे पास कोई भी शिकायत आएगी, उस पर गौर किया जाएगा।

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय, मैंने तो यह पूछा था कि रबी की फसल पर किसानों को 7 फीसदी की दर से ऋण नहीं मिला हैं माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करें कि कितने किसानों का आपने लक्ष्य रखा हैं पचास लाख किसानों को आप 2006-07 में ऋण देंगे। आप 7 प्रतिशत की दर से ऋण देंगे। लेकिन रबी की फसल के बाद भी किसानों को ऋण नहीं मिल रहा हैं आपने योजना अच्छी बनाई हैं मैं इसके लिए माननीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि अपने बजट भाषण के अनुरूप उन्होंने इस प्रकार के निर्देश दिए, लेकिन निर्देश दिए जाने के बाद भी क्या बैंकों ने उन किसानों को रबी की फसल के लिए 7 प्रतिशत की दर पर ऋण उपलब्ध कराया है कि नहीं कराया है?

श्री पवन कुमार बंसल: सभापति जी, मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि हमारे लक्ष्य, जो पिछले वर्षों के भी तय हुए हैं, उन सभी में बहुत आगे निकले हैं। 2004-05 का जो पचास लाख का लक्ष्य था, वहां 78 लाख लोगों को दिया गया था। 2005-06 में जो लक्ष्य था, उसमें 78.73 लाख लोगों को दिया गया था। इसी के तहत ...(व्यवधान)...जैसाकि में वही कह रहा हूं ...(व्यवधान)... जैसा फिक्स किया हुआ हे, हमारे जो टारगेट तय किए गए हैं, उससे कहीं आगे बढ़कर निकल रहे हैं। मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि पिछले वर्षों में टारगेट था, उसके प्रति मैं अगली बात पर आना चाहता हूं कि लोगों को 7 फीसदी पर लोन मिल रहा हैं ...(व्यवधान)...एक-एक मौके पर ...(व्यवधान)...टोटल इस वक्त कितने मिल गए, मैं यह फिगर भी आपके पास पहुंचा दूंगा, लेकिन इसी के संदर्भ में मैं जो आपको बताना चाहता हूं, वह यह है कि हमारे जो टारगेट तय हुए हैं, उनके हिसाब से जब डबल करना था, पूरे बैंकिंग का क्रेडिट डबल करना था, उनके टारगेट से कहीं आगे निकलते गए हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि हमारा पचास लाख का जो टारगेट तय किया हुआ है, उससे कहीं ज्यादा लोगों को मिलेगा। इसी संदर्भ में अगर आप यह जानना चाहते हैं कि कितने लोगों को इसका फायदा होगा वह फायदा कम से कम 4.5 करोड़ farmers को होगा, ये फिगर्स आप मुझसे ले सकते हैं, यानी 4.5 करोड़ लोगों को इसका फायदा अलग-अलग स्कीमों के तहत हम सुनिश्चित करना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

श्री यशवंत सिन्हा: ये बताएं कि कितने लोगों को मिला है? उनकी संख्या बताएं ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: कितने लोगों को मिला है ...(व्यवधान)...

श्री पवन कुमार बंसल: मैं वही बता रहा हूँ ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: इनके पास फिगर्स नहीं हैं ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: कितने लोगों को मिला है, कितने लोगों को मिलेगा? 50 लाख में से अभी तक कितने लोगों को मिला है ...(व्यवधान)...

श्री अमर सिंह: कब तक आश्वासन देंगे ...(व्यवधान)...

श्री यशवंत सिन्हा: वित्त मंत्री महोदय ने यह घोषणा की थी कि ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: ''मिलेगा'' का क्या अर्थ है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक-एक करके पूछ लीजिए। एक बार बैठ जाइए ...(व्यवधान)...

श्री पवन कुमार बंसल: सभापति महोदय, मैं आपके सामने यही गुज़ारिश कर रहा था कि ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपके पास फिगर्स हैं क्या? आपके पास फिगर्स हैं?

श्रीमती वृंदा कारत: आप बताइए कि कितने लोगों को आज तक इसका फायदा पहुंचा है ...(व्यवधान)...

श्री पवन कुमार बंसल: सभापति जी, आज के दिन तक की exact figures जो आप चाहते हैं, वह मैं आपके पास पहुंचा दूंगा ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: पहुंचाने की बात नहीं है...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: यह क्या तरीका है किसानों के लिए ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: जो सवाल है, उसका जवाब आप दे ही नहीं रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: बाद में बताएंगे, यह क्या तरीका है ...(व्यवधान)... हकीकत यह है कि किसान को मिल नहीं रहा है, ये छिपाना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I will give the exact figures regarding the number of farmers.

श्री सभापति: आप फिगर्स बता देना।

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I understand the concern of the hon. Members. I would just submit with great respect that it is in this year that we have announced that all farmers will get short-term credit from commercial banks, RRBs and co-operative societies at 7 per cent. Now, that announcement was welcomed by all sections of the House. The question is as to how confident are we about implementing it on the ground; are the loans reaching the farmers at 7 per cent. So, that is a very legitimate concern. I have, since the announcement, held two meetings with the Chairmen and Managing Directors of all public sector banks, RRBs under them. My officers are holding meetings with State Governments. I am very confident that we will implement the policy that short-term credit ...*(Interruptions)*.

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, this is no answer.

MR. CHAIRMAN: Let him complete his answer...*(Interruptions)*.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Let me complete my answer ...*(Interruptions)*. Please listen ...*(Interruptions)*. Please, I must be allowed to complete my answer first ...*(Interruptions)*. We are in the middle of the year ...*(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: Let him complete the answer ...*(Interruptions)*.

SHRI AMAR SINGH: This is not the middle of the year. This is the end of the year. Don't mislead the House ...*(Interruptions)*. This is anti-farmer ...*(Interruptions)*.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Please, allow me to complete my answer. I am trying to be helpful.

श्री सभापति: एक मिनट सुन तो लीजिए...(व्यवधान) आप जो कह रहे हैं वह ठीक है ...(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा: ये कह रहे हैं कि देंगे, इसमें कह रहे हैं कि दे दिया है ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Let him complete his answer. Then, you can put your questions ...*(Interruptions)*. Please, take your seat.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Hon. Members must allow me to complete my answer. I cannot answer in this way...*(Interruptions)*. Please, I want to tell the House that this Government takes credit for the fact that against the target of three years for doubling agricultural credit, we have done it in a little over two years.

MR. CHAIRMAN: That is not the question ...*(Interruptions)*.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Please, let me answer. we announced 7 per cent. ...*(Interruptions)*. They don't want an answer...*(Interruptions)*. I cannot give an answer, if this kind of ...*(Interruptions)*.

SHRI SHAHID SIDDIQUI:-Sir, this is ...*(Interruptions)*.

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, this is not the reply to our question. ...*(Interruptions)*.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, I have not completed my answer. I must be allowed to complete my answer. ...*(Interruptions)*. They are not allowing me to complete my answer. ...*(Interruptions)*.

श्री सभापति: आप बैठिए, आप बैठिए ...(व्यवधान)...Please take your seat. Let him complete his answer. ...*(Interruptions)*.

SHRI P. CHIDAMBARAM: I want to complete my answer. ...*(Interruptions)*.

श्री सभापति: आप बैठिए तो सही...(व्यवधान)...सब एक साथ खड़े हो रहे हैं ...(व्यवधान)... Please take your seats. ...*(Interruptions)*.

SHRI N. JOTHI: We want answer on this also. ...*(Interruptions)*.

श्री सभापति: इसे मुझे क्यों दिखा रहे हैं, इन चीज़ों का कोई मतलब नहीं है ...(व्यवधान) Please take your seats. ...*(Interruptions)*... Let him complete his answer. ...*(Interruptions)*. आप जवाब सुनिए तो सही ...(व्यवधान)... आप इसे exhibit नहीं कर सकते, बिल्कुल exhibit नहीं कर सकते ...(व्यवधान)... यह बिल्कुल गलत हैं आप इसे exhibit नहीं कर सकते ...(व्यवधान)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, may I complete my answer. For the current year, up to September, the short-term credit is Rs. 94,335 crore. We have crossed the target. ...*(Interruptions)*. Last year, we crossed the target. Previous year, we crossed the target. ...*(Interruptions)*. This year, we will cross the target. ! submit that there is ...*(Interruptions)*... We have given agricultural credit at 7 per cent, which they could not do. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: देखिए, आप ऐसा मत कीजिए...(व्यवधान)... आप इस तरह से नहीं दिखा सकते...(व्यवधान)...आप यह अखबार वापस ले लीजिए...(व्यवधान)...आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)...आप ऐसा मत कीजिए। यह अच्छा नहीं हैं अखबार दिखाना अच्छा नहीं हैं यह अच्छी practice नहीं हैं

SHRIMATI PREMA CARIAPPA: Sir, in view of the recent unfortunate happenings to the farmers, the Government's direction to the banks to bring 50 lakh farmers under the fold of institutional credit will certainly improve the conditions of the farmers. I would like to know from the hon. Minister whether any target is fixed, and, if so, what progress has been made up to October, 2006

SHRI P. CHIDAMBARAM: The indicative target is that banks and credit institutions should bring, at least, 50 lakh new farmers every year into the banking system for credit. In 2004-05, the number brought by the commercial and the RRBs is.66.32 lakhs. The cooperative banks added another 12.52 lakhs. In 2005-06, the number brought by the commercial and the RRBs is 64.30 lakhs. The cooperative banks added another 14.43 lakhs. Figures for the year 2006-07 will be available only towards the end of the year.

श्री यशवंत सिन्हा: सभापति महोदय, वित्त मंत्री महोदय ने अपने बजट भाषण में यह घोषणा की थी कि किसानों को यह जो 7 प्रतिशत सूद की दर पर ऋण दिया जाएगा, short term credit, यह खरीफ 2006 से लागू होगा। हम सबकी सूचना के अनुसार जमीनी स्तर से जो सूचना है, वह यह है कि किसी किसान को अभी तक 7 प्रतिशत पर कोई भी ऋण उपलब्ध नहीं कराया गया है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: इन्हें बोलने दीजिए।

श्री यशवंत सिन्हा: खरीफ का मौसम निकल गया, रबी का मौसम निकल रहा है और अभी तक यह व्यवस्था लागू नहीं हुई है। इस जवाब में मंत्री महोदय की तरफ से कहा गया है कि "public sector and RRBs in the country are lending short term loans at the interest rate of seven per cent." अभी हम लोगों ने मंत्री महोदय को सुना उन्होंने कहा कि "It will be implemented'.

SHRI P. CHIDAMBARAM: I said, I am confident we will achieve the target.

श्री यशवंत सिन्हा: अभी जो इन्होंने कहा कि "it will be implemented' और ये मीटिंग्स वगैरह कर रहे हैं ...(व्यवधान)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: You are distorting what I said. ...(*Interruptions*)... I said we will achieve the tatget. ...(*Interruptions*)...

श्री यशवंत सिन्हा: मेरा मंत्री महोदय से सीधा सवाल यह है कि यह स्कीम कब से लागू हुई, किस डेट से लागू हुई, वह हमें उपलब्ध कराए; अब तक यह कितने किसानों को दिया जा चुका है,

यह हमें बताएं और कितनी राशि 7 प्रतिशत पर उपलब्ध कराई गई है, यह फिगर सदन के सामने रखें।

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, let me repeat it, all short-term credit given by commercial banks and RRBs for Kharif, 2006 and for Rabi, 2006-07 has been, since my announcement, is and will be at 7 per cent.

श्री विनय कटियार: बिल्कुल नहीं ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: यह पैसा किस को दिया ...(व्यवधान)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: Please, listen to me ...(*Interruptions*)... Please, listen to me. ...(*Interruptions*)... Sir, I suspect...(*Interruptions*)... Sir, I have held ...(*Interruptions*)... I may be allowed to speak. ...(*Interruptions*)... I have held two review meetings with the Chairmen and Managing Directors of public sector banks and all of them have assured me that commercial banks and RRBs have lent, are lending, will lend at 7 per cent. ...(*Interruptions*)...

SHRI N. JOTHI: Then, why are these suicides taking place? ...*(Interruptions)*...

SHRI P. CHIDAMBARAM: As far as cooperative societies are concerned ...(*Interruptions*)...

SHRI N. JOTHI: Why are these suicides taking place?

MR. CHAIRMAN: Please, sit down. You have got the chance. ...(*Interruptions*)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: Because all farmers are not covered under the system. ...(*Interruptions*)...

SHRI N. JOTHI: Why? ...(*Interruptions*)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: I will tell you why. ...(*Interruptions*)... you ask a suplementary, I will answer that. As far as cooperative institutions are concerned, we said, in the Budget Speech, that in respect of the re-finance part, we would ensure that they lend at 7 per cent. Many States said for lending from their own resources, they will provide the subvention of 2 per cent. But, some States raised the issue that Central Government should provide that subvention also. Eight States have said that they will provide the sobvention. Some other States said, "No, the Central Government should provide the subvention". The matter was, therefore,

considered in the Cabinet Committee on Economic Affairs. We have decided that even in respect of cooperative loans, from their own resources, the Centre will provide the subvention, and Rs. 330 crore subvention is being provided to cooperative societies. All loans, therefore, all loans, therefore, will carry ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI BRINDA KARAT: Please inform us how many States ...(*Interruptions*)...

SHRI P. CHIDAMBARAM: I am answering ...(*Interruptions*)... I will tell you, Mr. Sinha ...(*Interruptions*)... Sir, they must sit down. ...(*Interruptions*)... So far they have lent. ...(*Interruptions*)...

SHRI N. JOTHI: The same story is repeated every time. ...(*Interruptions*)... The same story is repeated every time. ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: मैं आपको allow करूंगा। Please, take your seat ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record, if he speaks in between.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, Rs. 94,345 crores of shrot-term agriculture credit has been given up to September 2006-07, and by the end of the year, we will cross the target of a lakh and seventy five thousand crores. ...(*Interruptions*)...

SHRI N. JOTHI:*

SHRI P. CHIDAMBARAM: A hundred times I have said at seven per cent....(*Interruptions*)...

श्री अमर सिंह: महोदय, मंत्री जी यह बताएं कि जो किसान ऋण नहीं चुका पाएं हैं और आत्म-हत्या कर रहे हैं, तो अब तक कितने किसानों ने आत्म-हत्या की है? साथ ही आप ने उन किसानों का ऋण माफ किया है जिन्होंने ऋण के कारण आत्म-हत्या की है? कृपया यह भी बताएं कि जो 3700 करोड़ रुपया प्रधान मंत्री द्वारा विदर्भ में किसानों को दिया गया है, उस से कितने किसानों को फायदा हुआ है?

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir ...(*Interruptions*)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: सर, इसी कारण आत्म-हत्या करते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मिस्टर पाणि, आप सदन में बैठे-बैठे मत बोलिए। Please take your seat. यह गलत बात है।

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, suicide by farmers is a grave issue and we have to approach it with seriousness and gravity, and I want to be very

*Not recorded.

careful in what I say. In this country, there are about 10-12 crore farmer families. When the UPA Government came into office, four crore farmer families were getting institutional credit. We said every year we would add, at least, fifty lakh farmer families under institutional credit. As I said a little while ago, in the first year, commercial banks and RRB s have added 66 lakh families; in the second year, 64 lakh families were added. We have crossed the target. It is our goal to ensure that all families get institutional credit. But, it is quite evident that one cannot go from four crore to twelve crore overnight. We inherited a situation where only four crore farmer families were getting institutional credit. Today, roughly, 5.2 crore farmer families are getting institutional credit. I am confident that this year we will add another not less than 50 lakh farmers under institutional credit.

Suicide is a serious issue. The issue has been addressed by my colleague, the Minister of Food and Agriculture, in this House. A special plan is being worked out for 31 district. Money is being provided. If a debate has to be held on what is happening in those 31 district, I am sure, my colleague, the Minister of Agriculture, will he happy to respond the same.

श्री अमर सिंह: सर, विदर्भ में जो 37 सौ करोड़ रुपए गए हैं, वे वहां के 6 जिलों में मिले है या नहीं?

SHRI P. CHIDAMBARAM: What?

SHRI AMAR SINGH: Rs. 3700 crore for the six districts of Vidarbha. What is the condition there? Has that money been distributed or not?

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, as far as the Ministry of Finance is concerned, the money that has to be provided, as decided by the Cabinet, has been provided. How it is being implemented, that question must be addressed to my collegue.

SHRI AMAR SINGH: Has it reached or not?

श्रीमती वृंदा कारत: सर, वित्त मंत्री जी ने जो जवाब दिया, उसमें जब पूछा गया कि 7 परसेंट इंटरेस्ट पर कितने फार्मर्स को लोन दिया गया, तो वे इसका जवाब नहीं दे पाए। यह तो एक बहुत खेद की बात है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है।

श्रीमती वृंदा कारत: या तो इनके पास खबर है ही नहीं या छुपा रहे हैं। ये सदन को गुमराह कर रहे हैं।

मेरा दूसरा सवाल यह है, सर, वित्त मंत्री जी ने कहा कि एन॰डी॰ए॰ सरकार की तुलना में ये किसानों के लिए institutional credit को और व्यापक बनाने की कोशिश कर रहे हैं, यह अच्छी बात है, अगर यह हकीकत होती, लेकिन उसके साथ-साथ RRBs को बंद किया जा रहा है। मेरा सवाल यह है कि पिछले 10 सालों में कितने RRBs बंद हुए हैं और आपके जो रूरल बैंक्स हैं तथा उनकी जो रूरल ब्रांचेज़ हैं, वे कितने बंद हुए हैं? जितने बंद हुए हैं, जब आपकी सरकार institutional credit फार्मर्स के लिए बढ़ाना चाहती है, तो क्या आप उसका रिवर्स करने की प्रक्रिया में जाएंगे? हमारा यह सवाल है।

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, I have given you and the House the amount of credit disbursed up to September 30. The number of accounts, and the number of farmers will be available, as I said, only towards the close of the year. As far as Kharif is concerned, Kharif is coming to an end, and that number will be available; as anyone who has been in the Ministry of Finance will know, some time in the month of December we will get the actual accounts for Kharif. For Rabi, we will get the actual numbers and accounts some time in the month of May or June. These numbers are not being hidden, We know the amount of money that has been given. Actual number of farmer accounts will be available only towards the end of the year. There is no intention to hide anything. As soon as the number is available, we will gladly furnish the number.

Now, as far as the other question is concerned, that does not arise out of this question. But let me try to assure the hon. Member that no RRB branch is being closed. What is being done is, if a parent bank has more than one grameen bank in one State, those are being amalgamated under one RRB for the sake of efficiency. No branch is being closed. If you have any information about any branch being closed...

SHRIMATI BRINDA KARAT: 2000 branches of the grammen banks are being closed.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Please, listen to me. Please, believe me. No branch is being closed. If any particular bank or any particular RRB has closed any branch, please, do let know, and I will look into the matter. What we are doing is amalgamating them. Suppose a parent bank has three grameen banks in one State. In order to make it more efficient, we are consolidating it after consulting the State Government, and after obtaining the consent of the State Government. Consolidation is taking place. No branch is being closed. If I am wrong, please, tell me in which State which branch is closed. I will certainly take action.